चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम पंजाब केसरी, दैनिक भास्कर

दिनांक 18-7-2018 पृष्ठ सं. 4, 3 कॉलम 1-2, 2

प्रशिक्षण में जानकारी प्राप्त करते हुए प्रतिभागी।

फसल सुधार के लिए कार्यशाला व व्यवहारिक प्रशिक्षण शुरू

हिसार, 17 जुलाई (पंकेस): चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान महाविद्यालय में मॉलेकुलर बायोलॉजी, बायो-टैकनोलॉजी एंड बायो-इंफरमैटिक्स विभाग द्वारा आधुनिक दौर में जैव सूचना विज्ञान का उपयोग एवं फसल सुधार विषय पर एक सप्ताह की कार्यशाला एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण आरंभ हुआ। इस अवसर पर मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता, डा. राजवीर सिंह मुख्य अतिथि थे। उन्होंने कहा कि जैव सूचना विज्ञान एक औजार के रूप में काम करता है, जिसका हर प्रकार के विज्ञान चाहे वह कृषि से संबंधित हो, मौलिक विज्ञान एवं आयुर्विज्ञान से संबंधित हो, इसका विशेष योगदान है। उन्होंने कहा कि इसका प्रयोग परीक्षण को आसान बनाता है। उन्होंने फसल सुधार में जैव सूचना विज्ञान की भूमिका पर भी प्रकाश डाला।

जैव सूचना विज्ञान का उपयोग एवं फसल सुधार पर कार्यशाला

हिसार| एचएयू के मौलिक विज्ञान महाविद्यालय में मॉलीक्युलर बॉयोलोजी, बायो-टेक्नोलॉजी एंड बायो-इंफॉरमेटिक्स विभाग द्वारा आधुनिक दौर में जैव सूचना विज्ञान का उपयोग एवं फसल सुधार विषय पर एक सप्ताह की कार्यशाला एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण आरंभ हुआ। मुख्य अतिथि मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता, डॉ. राजवीर सिंह ने कहा कि जैव सूचना विज्ञान एक औजार के रूप में काम करता है। इसका प्रयोग परीक्षण को आसान बनाता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम अमर उजाला, दैनिक जागरण
दिनांक 18.7.2018 पृष्ठ सं. 6, 17 कॉलम 7-8, 1-2

एक औजार के रूप में काम करता है जैव सूचना विज्ञान : राजवीर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान महाविद्यालय में मॉलेकुलर बॉयोलोजी, बॉयो-टेक्नोलॉजी एंड बॉयो-इंफरमेटिक्स विभाग द्वारा आधुनिक दौर में जैव सूचना विज्ञान का उपयोग एवं फसल सुधार विषय पर साप्ताहिक कार्यशाला एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण आरंभ हुआ। इसमें मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजवीर सिंह मुख्य अतिथि थे। उन्होंने कहा कि जैव सूचना विज्ञान एक औजार के रूप में काम करता है, जिसका हर प्रकार के विज्ञान चाहे वह कृषि से संबंधित हो, मौलिक विज्ञान एवं आयुर्विज्ञान से संबंधित हो, इसका विशेष योगदान है। उन्होंने कहा कि इसका प्रयोग परीक्षण को आसान बनाता है। आजकल इन-सिलीको स्टडीज का जमाना है। यह कार्यशाला कृषि वैज्ञानिकों को जैविक अनुसंधान के लिए नवीनतम कंप्यूटेशनल जीव विज्ञान उपकरण में मदद कर सकती है। उन्होंने फसल सुधार में जैव सूचना विज्ञान की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. सुधीर कुमार ने प्रतिभागियों को अच्छे ज्ञान के लिए जैव सूचना विज्ञान उपकरण की अच्छी समझ प्रदान करने के लिए विस्तार से जानकारी दी।

एचएयू में जैव सूचना विज्ञान के उपयोग पर कार्यशाला शुरू

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान महाविद्यालय में मॉलेकुलर बायोलोजी, बायो-टेक्नोलॉजी एंड बायो-इंफरमैटिक्स विभाग द्वारा आधुनिक दौर में जैव सूचना विज्ञान का उपयोग एवं फसल सुधार विषय पर एक सप्ताह की कार्यशाला एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण आरंभ हुआ। इसमें मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. राजवीर सिंह मुख्य अतिथि थे। उन्होंने कहा कि जैव सूचना विज्ञान एक औजार के रूप में काम करता है, जिसका हर प्रकार के विज्ञान चाहे वह कृषि से संबंधित हो, मौलिक विज्ञान एवं आयुर्विज्ञान से संबंधित हो, इसका विशेष योगदान है। उन्होंने कहा कि इसका प्रयोग परीक्षण को आसान बनाता है। यह कार्यशाला कृषि वैज्ञानिकों को जैविक अनुसंधान के लिए नवींनतम कम्प्युटेशनल जीव विज्ञान उपकरण में मदद कर सकती है। कार्यक्रम में जैव सूचना विज्ञान इकाई, आइएआरआइ नई दिल्ली के प्रिंसिपल साइंटिस्ट एंड इंचार्ज डा. एके मिश्रा सहित विभिन्न विभागों के अध्यक्ष, विभाग के डा. वीके सिक्का, डा. शिखा यशवीर मौजूद रहे। (जासं)